Series RSH/1

कोड नं.
Code No. **4/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा-II
SUMMATIVE ASSESSMENT-II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे]
Time allowed : 3 hours]

[अधिकतम अंक : 90
[Maximum marks : 90

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

प्रकृति निरन्तर परिवर्तनशील है। रात्रि के घोर अंधकार के पश्चात् मनोहारिणी उषा का आगमन, बादलों की काली घटा के पीछे से सूर्य का उज्ज्वल प्रकाश, ग्रीष्म में सूखे वृक्षों में पावसी फुहारों से नई कोपलों का जन्म – यह सभी बदलते परिदृश्य जीवन की परिवर्तनशील गति की ओर इंगित करते हैं। जीवन का यह चक्र सतत चलायमान है। मानव जीवन का इतिहास उसके निरंतर परिवर्तित होते विचारों, मान्यताओं और आस्थाओं का शाश्वत साक्षी है। आदिम युग के मानव ने आज बीसवीं सदी तक की कालावधि में परिवर्तनों की कैसी लम्बी यात्रा पूरी की है वह सबका चिरपरिचित सत्य है। मनुष्य जीवन की जन्म, शैशव, यौवन और जरा नामक चारों अवस्थाएँ परिवर्तन की पुष्टि करती हैं। जहाँ परिवर्तन की गति रुक जाती है वही पड़ाव मृत्यु कहलाता है।

(i) नई कोपलों का जन्म कब होता है ?

(क) ग्रीष्म ऋतु में

(ख) बादलों के घिरने पर

(ग) पावस ऋतु में

(घ) ऋतु बदलने पर

(ii) परिवर्तित होते विचारों, मान्यताओं का साक्षी कौन है ?

(क) बादलों की काली घटा

(ख) निरन्तर परिवर्तनशील प्रकृति

(ग) रात्रि का घोर अन्धकार

(घ) मानव जीवन का इतिहास

(iii) चिरपरिचित सत्य है –

(क) बीसवीं सदी तक की कालावधि

(ख) आस्थाओं का इतिहास

(ग) मानव के परिवर्तनों की लम्बी यात्रा

(घ) आदिम युग का मानव

(iv) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है –

(क) परिवर्तन की सदी

(ख) परिवर्तन ही जीवन है

(ग) प्रकृति का प्रभाव

(घ) आदिम युग का मानव

(v) उज्ज्वल और परिवर्तित शब्दों में क्रमशः उपसर्ग और प्रत्यय है –

(क) उज्, त

(ख) उत्, इत

(ग) उज्ज्व, तित

(घ) ज्व, इत

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

मनुष्य को चाहिए कि संतुलित रहकर अति के मार्गों का त्याग कर मध्यम मार्ग को अपनाए। अपने सामर्थ्य की पहचान कर उसकी सीमाओं के अन्दर जीवन बिताना एक कठिन कला है। सामान्य मनुष्य अपने अहं के वशीभूत होकर अपना मूल्यांकन अधिक कर बैठता है और इसी के फलस्वरूप वह उन कार्यों में हाथ लगा देता है जो उसकी शक्ति में नहीं हैं। इसलिए सामर्थ्य से अधिक व्यय करने वालों के लिए कहा जाता है कि 'तेते पाँव पसारिए जेती लांबी सौर'। उन्हीं के लिए यह कहा गया है कि

अपने सामर्थ्य को विचार कर उसके अनुरूप कार्य करना और व्यर्थ के दिखावे में स्वयं को न भुला देना एक कठिन साधना तो अवश्य है पर सबके लिए यही मार्ग अनुकरणीय है।

(i) अति का मार्ग क्या होता है?

(क) असंतुलित मार्ग

(ख) संतुलित मार्ग

(ग) अमर्यादित मार्ग

(घ) मध्यम मार्ग

(ii) कठिन कला क्या है ?

(क) सामर्थ्य के बिना सीमारहित जीवन बिताना

(ख) सामर्थ्य को बिना पहचाने जीवन बिताना

(ग) सामर्थ्य की सीमा में जीवन बिताना

(घ) सामर्थ्य न होने पर भी जीवन बिताना

(iii) मनुष्य अहं के वशीभूत होकर –

(क) अपने को महत्वहीन समझ लेता है

(ख) किसी को महत्व देना छोड़ देता है

(ग) अपना सर्वस्व खो बैठता है

(घ) अपना अधिक मूल्यांकन कर बैठता है

(iv) 'तेते पाँव पसारिए जेती लांबी सौर' का आशय है –

(क) सामर्थ्य के अनुसार कार्य न करना

(ख) सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना

(ग) व्यर्थ का दिखावा करना

(घ) आय से अधिक व्यय करना

(v) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक हो सकता है –

(क) आय के अनुसार व्यय

(ख) दिखावे में जीवन बिताना

(ग) सामर्थ्य से अधिक व्यय करना

(घ) सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

और न कोई इस मंदिर का हो सकता अधिकारी
भारतवासी ही हम इसके रक्षक और पुजारी
भाई, भारतभूमि हमारी।
आज जो यह तुम देख रहे हो महलें और अटारी
लगा रक्त का गारा इसमें तन की ईंट हमारी
तन–मन देकर खूब सजाई यह सुन्दर फुलवारी
फूल सूँघ लो पर न तोड़ना मर्जी बिना हमारी
जग सिर बिच यह नीलकमल सम विकसित मुनि मनहारी।
हम इसके मधु पीवनहारे कारे भ्रमर सुखारी
रत्नवती इस वसुंधरा के हम ही हैं भण्डारी
इस यशुमति के पुत्र सदा हम गोप कृष्ण हलधारी।।

(i) 'मंदिर' शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

(क) भारतवासी

(ख) मातृभूमि

(ग) संस्कृति

(घ) सभ्यता

(ii) महलें और अटारी का तात्पर्य है –

(क) दुख – अशांति

(ख) बड़े-बड़े महल

(ग) सुख-समृद्धि के प्रतीक

(घ) लहलहाते खेत

(iii) 'रक्त का गारा और तन की ईंट' बताते हैं –

(क) स्वतंत्रता संग्राम की गाथा

(ख) भवन निर्माण की गाथा

(ग) भारतीयों के मेहनत की गाथा

(घ) त्याग-बलिदान की गाथा

(iv) वसुंधरा को रत्नवती क्यों कहा गया है ?

(क) इसकी धरती अन्न से भरी रहती है

(ख) इसके किसान अन्न-रत्न उपजाते हैं

(ग) इसमें रत्न हीरे-जवाहरात की खान है

(घ) यह सोने की चिड़िया है

(v) 'हलधारी' शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है?

(क) देश के रक्षक

(ख) देश के किसान

(ग) देश के निर्माता

(घ) देश के नेता

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

अचल खड़े रहते जो ऊँचा, शीश उठाए तूफानों में
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में
वही पंथ-बाधा को तोड़े, बहते हैं जैसे हो निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अन्दर जगकर है लहराई।।

आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना
नवयुग के जीवन पृष्ठों पर है नूतन इतिहास लिखाना
उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण
जगो देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नया जागरण
आज विश्व को यह दिखला दो, हममें भी जागी तरुणाई।।

(i) काव्यांश में किन लोगों की ओर संकेत है ?

(क) सहनशीलों की ओर

(ख) नवयुवकों की ओर

(ग) प्रगतिशीलों की ओर

(घ) देशवासियों की ओर

(ii) वे बाधाओं में भी किसकी तरह बढ़ते जा रहे हैं ?

(क) हवा की तरह

(ख) तूफानों की तरह

(ग) सैनिकों की तरह

(घ) निर्झर की तरह

(iii) युवकों की तरुणाई का लाभ दिखाई दे रहा है –

(क) देश में नई चेतना के रूप में

(ख) देश की प्रगति एवं आशा के रूप में

(ग) युवकों की प्रेरणा के रूप में

(घ) औद्योगिक विकास के रूप में

(iv) जीवन पृष्ठों पर युवकों से क्या आशा की गई है ?

(क) नई बहादुरी की

(ख) नए इतिहास की

(ग) विकास के नए अध्याय की

(घ) नए वसंत की

(v) 'विश्व' शब्द का पर्याय नहीं है –

(क) जग

(ख) संसार

(ग) पृथ्वी

(घ) जगत

खण्ड ख

5. (क) निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए – 1×2=2

(i) भोर में दिखाई देने वाला तारा आज नहीं है।

(ii) किस्मत का मारा वह जेल में मर गया।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए– 1×3=3

(i) हम अपने काम की ओर ध्यान नहीं देते।

(ii) इस देश के वीरों ने प्रतिष्ठा के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए।

(iii) वे बहुत जल्दी घबड़ा जाते हैं।

6. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए – 1

सच बोलो लेकिन कड़ुवा सच मत बोलो।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×2=2

(i) वे लोग आज सुबह की ट्रेन से आए और शाम को चले गए। (मिश्र वाक्य में)

(ii) यह वही दुकान है। मैं यहीं से सब्जी खरीदता हूँ। (संयुक्त वाक्य)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए – 1×3=3

(i) हमारा उद्देश्य सफलता प्राप्ति होनी चाहिए।

(ii) राष्ट्रपिता का देश सदा आभारी रहेगा।

(iii) अध्यापक ने चिल्लाया।

7. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए- 1×2=2

रामेश्वर, छात्रावास।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए –

फल+अनुसार, सु+आगत। 1/2×2=1

8 . (क) निम्नलिखित का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए – 1/2+1/2=1

नीलमणि।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए – 1/2+1/2=1

अनुभव से सिद्ध।

9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए – 1×4=4

(i) सुध-बुध खोना

(ii) आवाज़ उठाना

(iii) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(iv) मुँह की खाना

खण्ड ग

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

कहलाने एकत बसत अहि, मयूर, मृग, बाघ।
जगतु तपोवन सौ कियौ, दीरघ-दाघ निदाघ।।

(i) प्रस्तुत दोहे में किन प्राणियों में आपसी बैर बताया गया है ?

(क) मानव और दानव में, आतंकी और उपद्रवी में

(ख) सिंह और चूहे में, कौआ और कोयल में

(ग) साँप और मोर में, हिरण और बाघ में

(घ) तोता और चिड़ीमार में, तैराक और मछली में

(ii) ये प्राणी आपसी बैर कब भूल जाते हैं ?

(क) आपत्ति आने पर

(ख) एक जगह रहने पर

(ग) ग्रीष्म की अत्यधिक गर्मी होने पर

(घ) भोजन न मिलने पर

(iii) कवि ने ग्रीष्म ऋतु की तुलना किससे की है ?

(क) पेट की आग से

(ख) तपोवन से

(ग) दावानल से

(घ) सूरज से

(iv) 'दीरघ-दाघ निदाघ' का अर्थ है –

(क) गर्मी के लंबे दिन

(ख) सूरज की गर्मी वाला आसमान

(ग) लंबी और तपाने वाली रातें

(घ) ग्रीष्म ऋतु की तेज गर्मी

(v) पद्यांश में 'एकत' शब्द का तत्सम रूप है –

(क) एकता

(ख) एकल

(ग) एकत्र

(घ) एकांत

अथवा

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) 'मर्त्य' किसे कहते हैं ?

(क) यमराज

(ख) असुर

(ग) मरणशील

(घ) सुर

(ii) मृत्यु की सार्थकता है –

(क) देशहित में

(ख) कीर्ति के प्रसार में

(ग) बलिवेदी पर चढ़ने में

(घ) सबके याद करने में

(iii) कवि ने किसे पशु के समान नहीं माना है ?

(क) जो केवल अपनी भलाई सोचता है

(ख) जो दूसरों की निन्दा करता है

(ग) जो दूसरों से ईर्ष्या करता है

(घ) जो दूसरों के काम आता है

(iv) 'आप आप ही चरे' का आशय है –

(क) स्वार्थ–सिद्धि

(ख) परार्थ सिद्धि

(ग) संकुचित विचार रखना

(घ) उदार होना

(v) प्रस्तुत काव्यांश से क्या संदेश मिलता है ?

(क) हमेशा अपने स्वार्थ में लगा रहना चाहिए

(ख) मानव मात्र की भलाई करनी चाहिए

(ग) दूसरों के खातिर मर जाना चाहिए

(घ) जानवर की तरह जीना चाहिए

11. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×2=6

(क) 'गिरगिट' कहानी में शासक और पुलिस अधिकारी के किस रूप को उजागर किया गया है ? क्या वह रूप आपको भी अपने परिवेश में दिखाई देता है ?

(ख) प्रकृति में आए असंतुलन से क्या-क्या बदलाव आए हैं ? इससे मानव जाति के लिए क्या-क्या खतरे पैदा हो गए हैं ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक पाठ के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है ? आपके विचार में क्या होना चाहिए ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

12. 'गिन्नी का सोना' पाठ में लेखक के अनुसार 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए'। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'कारतूस' पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था।

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है। उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है।... यही कारण है जिससे मानसिक रोग वहाँ बढ़ गए हैं।

(क) जापान के लोग अधिकतर किस रोग से ग्रस्त रहते हैं ? और क्यों ? 2

(ख) दिमाग का तनाव बढ़ने पर जापानी लोग क्या करते हैं ? 2

(ग) 'झेन परम्परा' की देन क्या है ? 1

अथवा

मैं तुझे छोड़ने वाला नहीं। और उसकी उँगली भी जीत के झण्डे की तरह गड़ी दिखाई दे रही थी। ओचुमेलॉव ने इस व्यक्ति को पहचान लिया। वह ख्यूक्रिन नामक सुनार था और इस भीड़ के बीचोंबीच, अपनी अगली टाँग पसारे, नुकीले मुँह और पीठ पर फैले पीले दागवाला, अपराधी-सा नजर आता, सफेद बारजोई पिल्ला, ऊपर से नीचे तक काँपता पसरा पड़ा था। उसकी आँसुओं से सनी आँखों में संकट और आतंक की गहरी छाप थी।

(क) ख्यूक्रिन नामक सुनार कैसी प्रवृत्ति का व्यक्ति था और कैसा नज़र आ रहा था? 2

(ख) भीड़ में वह अपनी उँगली का प्रदर्शन कैसे और क्यों कर रहा था ? 2

(ग) कुत्ते की आँखों में आतंक की छाप क्यों थी ? 1

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने दीपक से किस बात का आग्रह किया है और क्यों ?

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है ?

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन किसके लिए किया है? और किस काफिले को आगे बढ़ाते रहने को कहा है ?

(घ) महादेवी वर्मा ने अपनी कविता में 'दीपक' और 'प्रियतम' को किसका प्रतीक माना है ? और आकाश के चमकते तारों को स्नेहहीन क्यों कहा है ?

15. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर बताइए कि टोपी को किन-किन से अपनापन मिला? क्या आज के समय में भी ऐसे अपनेपन की प्राप्ति संभव है ?

(ख) किन बातों से पता चलता है कि टोपी को इफ्फन की दादी बहुत प्रिय थी ?

(ग) 'सपनों के से दिन' के पाठ में लेखक को कब लगता था कि वह भी एक फौजी है ? कारण सहित लिखिए।

16. मास्टर प्रीतमचन्द को स्कूल से निलंबित क्यों कर दिया गया ? निलंबन के औचित्य और उस घटना से उभरने वाले जीवन-मूल्यों पर अपने विचार लिखिए । 4

खण्ड घ

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) हमारे देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

- हमारा देश - इसका प्राचीन रूप तथा संस्कृति
- विदेशी प्रभाव
- परिणाम

(ख) भारत में सूखे की समस्या

- सूखे के कारण
- प्रभाव
- बचने के उपाय

(ग) देशाटन

- क्या है?
- उपयोगिता और साधन
- प्रोत्साहन के उपाय

18. विद्यालय में आयोजित सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता के बारे में मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

बरसात के दिनों में जल जमाव के कारण होने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।